हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली

अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

अभ्यास-पत्रिका

कक्षा-आठवीं

निर्धारित पाठ्यक्रम

- हिंदी वर्णमाला
- वर्ण एवं उसके रूप
- शब्द एवं उसके भेद, (संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण, क्रिया, क्रियाविशेषण, संबंध बोधक, समुच्चयबोधक एवं विस्मयादिबोधक)
- समास
- कारक
- उपसर्ग-प्रत्यय
- लिंग-वचन
- संयुक्त व्यंजन
- आगत स्वर एवं नुकता
- 'र' के रूप, (रेफ़ और पदेन)
- मुहावरे और लोकोक्तियाँ
- वाक्य के प्रकार (अर्थ के आधार पर)
- वाक्यांशों के लिए एक शब्द
- पर्यायवाची
- विलोम शब्द
- समरूपी भिन्नार्थक शब्द
- छह ऋतुओं के हिंदी में नाम
- अनेकार्थी शब्द
- अपठित गद्यांश या काव्यांश।

कृपया, ध्यान दें: इस प्रश्न-पत्रिका में दी गई सहायक सामग्री संकेत मात्र एवं अभ्यास के लिए है। अत: प्रतियोगी को रटवाने की अपेक्षा समझाने का प्रयास करें।

पाठ्य-सामग्री

1. वर्ण

छोटी-से-छोटी भाषा की ध्वनि, जिसके टुकड़े नहीं हो सकते, वर्ण कहलाते हैं। इन वर्णों का व्यवस्थित रूप ही 'वर्णमाला' कहलाता है।

हिंदी वर्णमाला में वर्णों को दो रूपों में बाँटा गया है- स्वर तथा व्यंजन।

2. स्वर

जिन वर्णों का उच्चारण अन्य ध्वनियों की सहायता के बिना हो, उन्हें स्वर कहते हैं।

अ आ इ ई उ ऊ ऋ ए ऐ ओ औ

अयोगवाह– अं अः

3. व्यंजन

व्यंजन वे वर्ण हैं, जो स्वरों की सहायता से बोले जाते हैं। नीचे स्वरयुक्त व्यंजन दिए गए हैं–

क	ख	ग	घ	ङ		
च	छ	ज	झ	ञ		
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़
त	थ	द	ध	न		
प	फ	ब	भ	म		
य	र	ल	व	श		
	ष	स	ह			

(क) आगत स्वर - **ऑ**

(ख) नुकता वाले आगत व्यंजन - **ज़, फ़**

(ग) संयुक्त व्यंजन–दो व्यंजनों के मेल से बने व्यंजन **संयुक्त व्यंजन** कहलाते हैं। जैसे:- क्ष, त्र, ज्ञ, श्र ये चार संयुक्त व्यंजन हैं।

क् + ष = क्ष – कक्ष, दक्ष

त् + र = त्र – नेत्र, छात्र

ज् + ञ = ज्ञ – यज्ञ, सर्वज्ञ

श् + र = श्र – परिश्रम, आश्रम

4. 'र' के विविध रूप

- रेफ़ (जैसे: पर्व)
- पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसे: क्रम)
- बिना पाई वाले व्यंजनों के साथ (जैसे: राष्ट्र)

5. र और ऋ की मात्राओं में अंतर

- क् + ऋ = कृ, कृपा, कृष्ण
- क् + र = क्र, क्रय, विक्रय

6. स्वरों की मात्राएँ

स्वर	मात्रा	व्यंजन के साथ स्वर की मात्राओं का मेल	उदाहरण
अ	(कोई मात्रा नहीं)	क् + अ = क	कलम, कमल
आ	(ा)	क् + आ = का	काम, काका
इ	(ि)	क् + इ = कि	किताब, किधर
ई	(ी)	क् + ई = की	कील, कीमत
उ	(ु)	क् + उ = कु	कुल, कुत्ता
ऊ	(ू)	क् + ऊ = कू	कूल, कूकना
ऋ	(ृ)	क् + ऋ = कृ	कृत, कृपा

ए	(े)	क् + ए = के	केला, केरल
ऐ	(ै)	क् + ऐ = कै	कैसा, कैलाश
ओ	(ो)	क् + ओ = को	कोट, कोमल
औ	(ौ)	क् + औ = कौ	कौन, कौआ
अं	(ं)	क् + अं = कं	कंठ, कंकड़
अः	(:)	त् + अः = तः	अतः, स्वतः
ऑ	(ॅ)	क् + ऑ = कॉ	कॉलम, कॉपी

7. हिंदी में महीनों के नाम

1. चैत्र (चैत)
2. वैशाख (बैसाख)
3. ज्येष्ठ (जेठ)
4. आषाढ़ (असाढ़)
5. श्रावण (सावन)
6. भाद्रपद (भादों)
7. आश्विन (क्वार)
8. कार्तिक (कातिक)
9. मार्गशीर्ष (अगहन)
10. पौष (पूस)
11. माघ (महा)
12. फाल्गुन (फागुन)

8. विराम-चिह्न

बात करते समय हमें बीच-बीच में रुकना पड़ता है-कभी थोड़ा, कभी अधिक। इसी भाँति लिखते समय भी हमें कुछ जगहों पर ठहरना पड़ता है। इस ठहराव को **विराम** कहते हैं। विराम की ओर संकेत करने वाले चिह्नों को 'विराम चिह्न' कहते हैं।

पूर्ण-विराम (।)

वाक्य पूरा होने पर यह चिह्न लगाया जाता है। जैसे:-

वर्षा हो रही है। आज होली है।

अल्प-विराम (,)

जहाँ वाक्य के मध्य ठोड़ा रुकना पड़े, वहाँ अल्प विराम लगाया जाता है। जैसे:-

हाँ, हम कल चलेंगे।
मैंने केले, संतरे और अमरूद खाए।

प्रश्नवाचक चिह्न (?)

प्रश्न पूछने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-

आप क्या खाएँगे?
तुम्हारा नाम क्या है?

विस्मयादिवाचक चिह्न (!)

भय, शोक, क्रोध, हैरानी आदि मनोभाव प्रकट करने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-

वाह! खाना बहुत स्वादिष्ट है। अरे! आप आ गए।

योजक चिह्न (-)

इसका प्रयोग दो शब्दों के बीच संबंध जोड़ने के लिए होता है। जैसे:-

माता-पिता, दिन-रात, सुख-दुख आदि।

निर्देशक चिह्न (–)

इसका प्रयोग किसी ओर निर्देश देने के लिए होता है। जैसे:-

अध्यापक ने कहा – "इधर आओ।"

उद्धरण-चिह्न ("........")

किसी के कथन को ज्यों-का-त्यों दिखाने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:- गाँधी जी ने कहा-"सत्य के लिए संघर्ष करो।"

गाँधी जी ने कहा-"सत्य के लिए संघर्ष करो।"

लाघव चिह्न (॰)

किसी शब्द को संक्षेप में लिखने के लिए इस चिह्न का प्रयोग किया जाता है। जैसे:-डॉ॰ - डॉक्टर क्र॰ म॰ -क्रम संख्या

9. मुहावरे

क्रम	मुहावरा	अर्थ
1.	आँखों में धूल झोंकना	धोखा देना
2.	अपना उल्लू सीधा करना	अपना मतलब निकालना
3.	आकाश से बातें करना	बहुत ऊँचा होना
4.	आकाश के तारे तोड़ना	असंभव कार्य करना
5.	आग बबूला होना	बहुत क्रोधित होना
6.	अक्ल पर पत्थर पड़ना	बुद्धि से काम न करना
7.	अपने मुँह मियाँ मिट्ठू बनना	अपनी प्रशंसा स्वयं करना
8.	अपने पाँव पर कुल्हाड़ी मारना	स्वयं अपनी हानि करना
9.	अपनी खिचड़ी अलग पकाना	सबसे अलग-रहना
10.	उँगली पर नचाना	अपने वश में करके मन चाहा काम कराना
11.	अपना-सा मुँह लेकर रह जाना	शर्मिंदा होना

12.	काम तमाम करना	मार डालना
13.	नौ–दो ग्यारह होना	भाग जाना
14.	टाँग अड़ाना	बाधा डालना
15.	उल्लू बनाना	दूसरों को मूर्ख बनाना

10. हिंदी में एक से पचास तक गिनती

1 एक	11 ग्यारह	21 इक्कीस	31 इकत्तीस	41 इकतालीस
2 दो	12 बारह	22 बाईस	32 बत्तीस	42 बयालीस
3 तीन	13 तेरह	23 तेईस	33 तैंतीस	43 तैंतालीस
4 चार	14 चौदह	24 चौबीस	34 चौंतीस	44 चवालीस
5 पाँच	15 पंद्रह	25 पच्चीस	35 पैंतीस	45 पैंतालीस
6 छह	16 सोलह	26 छब्बीस	36 छत्तीस	46 छियालीस
7 सात	17 सत्रह	27 सत्ताईस	37 सैंतीस	47 सैंतालीस
8 आठ	18 अठारह	28 अट्ठाईस	38 अड़तीस	48 अड़तालीस
9 नौ	19 उन्नीस	29 उनतीस	39 उनतालीस	49 उनचास
10 दस	20 बीस	30 तीस	40 चालीस	50 पचास

11. शुद्ध-वर्तनी

अशुद्ध	शुद्ध	अशुद्ध	शुद्ध
नही	नहीं	रूपया	रुपया
रुखा	रूखा	चिन्ह	चिह्न
अवश्यकता	आवश्यकता	आर्शिवाद	आशीर्वाद
वधु	वधू	पितांबर	पीतांबर

वेषभूषा	वेशभूषा	इमानदारी	ईमानदारी
उनंचास	उनचास	उज्जवल	उज्ज्वल
स्थाई	स्थायी	साधू	साधु

12. शब्द

वर्णों के सार्थक समूह को हम 'शब्द' कहते हैं।

क + म + ल = कमल

13. शब्द-लड़ी अंत्याक्षरी

किसी शब्द के अंतिम व्यंजन की सहायता से अगला शब्द बनता हैं, इस प्रकार शब्द-लड़ी बन जाती हैं। जैसे:-

दाल - लौकी - करेला - लहसुन - नींबू - बैंगन

हिमानी - नीलम - ममता - तनिष्का - कविता - तनुजा

14. संज्ञा

किसी व्यक्ति, वस्तु, स्थान, भाव आदि के नाम को **संज्ञा** कहते हैं।

जैसे- शिवानी, ताजमहल, घबराहट आदि।

संज्ञा के तीन भेद हैं:-

1. व्यक्तिवाचक संज्ञा- भारत, दिल्ली, महात्मा गाँधी, कल्पना चावला, रामायण, गीता आदि।

2. जातिवाचक संज्ञा- मोटर साइकिल, कार, पहाड़, तालाब, गाँव, लड़का, लड़की, घोड़ा, शेर।

3. भाववाचक संज्ञा- मिठास, खटास, हरियाली, सुख, बुढ़ापा।

15. सर्वनाम

जिन शब्दों का प्रयोग संज्ञा के स्थान पर किया जाता है, उन्हें सर्वनाम कहते है। जैसे– मैं, वह, आप, यह, वे, ये, हम, तुम, कुछ, कौन, क्या, जो, सो, उसका आदि सर्वनाम शब्द हैं।

सर्वनाम के छह भेद हैं–

(1) पुरुषवाचक सर्वनाम – मैं, तुम, वह

(2) निश्चयवाचक सर्वनाम – वह, यह

(3) अनिश्चयवाचक सर्वनाम – कोई, कुछ

(4) संबंधवाचक सर्वनाम – जो, सो आदि

(5) प्रश्नवाचक सर्वनाम – क्या, कौन आदि

(6) निजवाचक सर्वनाम – अपने आप, स्वयं

16. विशेषण

जो शब्द संज्ञा अथवा सर्वनाम की विशेषता बताते हैं वे 'विशेषण' कहलाते हैं। जैसे– सुंदर, मोटा, गोल, चार, कुछ भारी।

जिस शब्द की विशेषता बताई जाए वह 'विशेष्य' कहलाता है जैसे:– 'मोटी पुस्तक' इसमें मोटी 'विशेषण' है और पुस्तक 'विशेष्य'।

विशेषण के चार भेद हैं–

1. गुणवाचक विशेषण – छायादार पेड़, मोटा हाथी, वीर सैनिक, लाल कमीज़
2. संख्यावाचक विशेषण – कुछ आम, तीन पुस्तकें, अनेक पक्षी, दो नोट
3. परिमाणवाचक विशेषण – जग में दो किलो दूध रखा है, तीन मीटर कपड़ा दे दीजिए, कुछ चावल दे दीजिए, थोड़ा पानी पिला दीजिए
4. सार्वनामिक विशेषण – ये फूल पूजा के लिए हैं, वह कुत्ता मोहित का है, ये फूल में सुंदर लगते हैं, यह लड़की खिलौने से खेल रही है।

17. क्रिया

काम के करने अथवा होने का बोध कराने वाले शब्दों (पदों) को 'क्रिया' कहते हैं। जैसे:- सोना, खाना, पीना, सोचना, चलना, हँसना, रोना, देखना, सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना, गाना, गुर्राना आदि।

क्रिया के दो भेद हैं:- 1. अकर्मक क्रिया 2. सकर्मक क्रिया

18. क्रियाविशेषण

जो शब्द क्रिया की विशेषता बताते हैं, वे क्रियाविशेषण कहलाते हैं। क्रियाविशेषण के चार भेद हैं।

रीतिवाचक क्रियाविशेषण - धीरे-धीरे, धीमे-धीमे

कालवाचक क्रियाविशेषण - आज, कल, अभी-अभी

स्थानवाचक क्रियाविशेषण - वहाँ, कहाँ, उधर

परिमाणवाचक क्रियाविशेषण - बहुत, कम

19. काल

क्रिया के जिस रूप से कार्य के होने अथवा करने के समय का बोध हो, उसे काल कहते हैं। काल के तीन भेद हैं-

भूतकाल- क्रिया के जिस रूप से पता चले कि काम हो चुका है, उसे भूतकाल कहते हैं। जैसे:- राम कल घर गया था।

वर्तमानकाल- क्रिया के जिस रूप से पता चले कि काम इस समय चल रहा है, उसे **वर्तमान काल** कहते हैं। जैसे:- मोहन नाच रहा है।, हिरन दौड़ रहा है।, सुमन कहानी लिखती है।

भविष्यत् काल- क्रिया के जिस रूप से आने वाले समय में उसके किए जाने का या होने का बोध हो, उसे भविष्यत् काल कहते हैं। जैसे:- हमारा विद्यालय कल बंद रहेगा।, अगले महीने दिल्ली में चुनाव होंगे।, राम कल घर होगा।

20. कारक

संज्ञा या सर्वनाम के जिस रूप से उसका संबंध वाक्य के दूसरे शब्दों के साथ ज्ञात होता है, उसे 'कारक' कहते हैं।

कारक के आठ भेद हैं-

कारक	चिह्न (विभक्ति)
कर्ता कारक	ने (जो क्रिया करे)
कर्म कारक	को (जिसपर क्रिया का फल पड़े)
करण कारक	से (के द्वारा) (जिस साधन से क्रिया हो)
संप्रदान कारक	के लिए, को (जिसके लिए क्रिया की जाए)
अपादान कारक	से (अलग होने के अर्थ में) (जिससे किसी के अलग होने का बोध हो।)
अधिकरण कारक	में, पर (जहाँ क्रिया घटित हो)
संबंध कारक	का, के, की; रा, रे, री; ना, ने नी (जो दो शब्दों का संबंध जोड़े)
संबोधन कारक	हे! अरे! (जब किसी को संबोधित किया जाए।)

21. बिंदु (ं) एवं चंद्रबिंदु (ँ) वाले शब्द

(ं) बिंदु

गंगा	चंचल	झंडा	गंदा
कंपन	पंक्ति	जिंदा	पतंग

(ँ) चंद्रबिंदु

आँख	माँ	गाँव	हँस
मुँह	कुआँ	चाँद	काँच

22. वाक्य

दो या दो से अधिक पदों के सार्थक समूह को **वाक्य** कहते हैं।

उदाहरण के लिए 'सत्य की विजय होती हैं।' एक वाक्य है क्योंकि इसका पूरा-पूरा अर्थ निकलता है।

वाक्य के भेद

अर्थ के आधार पर आठ प्रकार के वाक्य होते हैं-

1. विधानवाचक वाक्य-(साधारण) वंदना छठी कक्षा में पढ़ती है।
2. निषेधवाचक वाक्य-(मना करना) यहाँ पर गंदगी न फैलाएँ।
3. प्रश्नवाचक वाक्य-(प्रश्न पूछना) आप कहाँ रहते हैं?
4. आज्ञावाचक वाक्य-(आदेश) आप दौड़कर उसके पास जाओ।
5. विस्मयवाचक-(आश्चर्य) वाह! तुमने बहुत सुंदर लिखा है।
6. इच्छावाचक वाक्य-(इच्छा, कामना) आपकी यात्रा मंगलमय हो।
7. संदेहवाचक वाक्य-(संदेह) शायद, आज वर्षा होगी।
8. संकेतवाचक वाक्य-(संकेत) यदि तुम मेहनत करोगे, तो अवश्य सफल होगे।

23. पर्यायवाची

किसी का शब्द समान अर्थ देने वाले शब्द को पर्यायवाची शब्द कहते हैं। जैसे:-

शब्द	पर्यायवाची
चंद्रमा	शशि, राकेश, मयंक

धरती	भूमि, भू, धरा
अग्नि	अनल, पावक, आग
पानी	नीर, वारि, जल
आकाश	गगन, अंबर, नभ
घर	गृह, सदन, भवन
पुत्र	बेटा, लड़का, सुत
मित्र	दोस्त, सखा, सहचर
स्त्री	नारी, औरत, महिला
फूल	पुष्प, सुमन, कुसुम
दिन	दिवा, दिवस, वार
माँ	अम्मा, माता, जननी
समुद्र	सिंधु, सागर, जलधि
भौंरा	भ्रमर, भृंग, मधुकर
जंगल	वन, कानन, अरण्य
वृक्ष	तरु, पादप, विटप
नदी	सरिता, सलिला, निर्झरिणी
तालाब	सरोवर, सर, ताल
कपड़ा	वस्त्र, वसन, ताल
बादल	मेघ, जलद, घन

24. विलोम

जो शब्द एक–दूसरे का विपरीत अर्थ देते हैं, उन्हें विलोम या विपरीत शब्द कहते हैं।

जैसे:–

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
रात	दिन	कायर	वीर
धरती	आकाश	अपना	पराया
सच	झूठ	दूर	पास
अमीर	गरीब	शाकाहारी	मांसाहारी
दुख	सुख	शांत	अशांत
आदि	अंत	अंदर	बाहर
चतुर	मूर्ख	सरल	कठिन
ठंडा	गरम	देव	दानव
ईमानदार	बेईमान	दुर्बल	सबल
शत्रु	मित्र	प्राचीन	नवीन

25. अनेक शब्दों के लिए एक शब्द

अनेक शब्द (वाक्यांश)		एक शब्द
जो ईश्वर को मानता हो	–	आस्तिक
जो ईश्वर का न मानता हो	–	नास्तिक
जो पढ़ा लिखा न हो	–	निरक्षर
जिसका अंत न हो	–	अनंत
जिसका नष्ट होना तय हो	–	नश्वर
हमेशा रहने वाला	–	शाश्वत
जिसका अंत न हो	–	अनंत
मीठा बोलने वाला	–	मृदुभाषी

दूसरों पर उपकार करने वाला	–	परोपकारी
जो अपने देश का हो	–	स्वदेशी
जिसकी तुलना न हो	–	अतुलनीय
जिसके माता–पिता न हो	–	अनाथ
अधिक खर्च करने वाला	–	अपव्ययी
जो बीमार का इलाज करता हो	–	चिकित्सक
जिसे पाना कठिन हो	–	दुर्लभ

26. लोकोक्तियाँ एवं उनके अर्थ

1. आम के आम गुठलियों के दाम – दोगुना लाभ कमाना।
2. उलटा चोर कोतवाल को डाँटे – दोषी का ही निर्दोष पर दोष मढ़ना।
3. एक और एक ग्यारह – एकता में बल है।
4. जिसकी लाठी उसकी भैंस – बलवान के ही सब अधिकार हैं।
5. घर का भेदी लंका ढाए – आपसी फूट विनाश का कारण बन जाती है।
6. एक मछली सारे तालाब को गंदा कर देती है – एक बुरा व्यक्ति सारे समूह को बुरा बना देता है।
7. कहाँ राजा भोज, कहाँ गंगू तेली – अधिक छोटे अधिक बड़े में कोई तुलना नहीं होती।
8. चार दिन की चाँदनी फिर अँधेरी रात – थोड़े ही दिन के मज़े, फिर वही परेशानियाँ।

हिंदी विकास संस्थान, दिल्ली
अंतर्राष्ट्रीय हिंदी ओलंपियाड 2023

कक्षा-आठवीं

अधिकतम अंक-100 **समयावधि-एक घंटा**

प्रतियोगी का नामः ....

पिता/संरक्षक का नामः ....

कक्ष निरीक्षक के हस्ताक्षरः ....

समान्य निर्देश-

1. इस प्रश्न-पत्र में कुल चालीस प्रश्न हैं।
2. प्रत्येक प्रश्न के लिए पाँच अंक निर्धारित हैं।
3. सभी प्रश्न बहुविकल्पीय हैं।
4. सही उत्तर के सामने का गोला भरने पर चार अंक मिलेंगे तथा एक से अधिक गोला भरने या गलत उत्तर देने पर एक अंक काटा जाएगा।

नमूना प्रश्न-पत्र

1. 'वर्ण' क्या है?
   क) स्वर ख) व्यंजन
   ग) भाषा की सबसे छोटी ध्वनि घ) तीनों

2. 'व्यंजन' किसकी सहायता से बोला जाता है?
   क) स्वर की ख) व्यंजन की ग) दोनों की घ) अन्य की

3. 'ऊष्म व्यंजन' कौन-सा है?
   क) य ख) श ग) च घ) ख

4. 'क्ष' व्यंजन में कौन-कौन से वर्ण हैं?
   क) क्+श्+अ ख) क्+ष्+अ ग) क्+छ्+आ घ) अन्य वर्ण

5. 'अयोगवाह' कौन-सा है?
   क) अं ख) अः ग) दोनों घ) कोई नहीं

6. निम्नलिखित में से कौन-सा दीर्घ स्वर है?
क) ई ख) ऐ ग) औ घ) तीनों

7. 'सर्वनाम' किसके स्थान पर आते हैं?
क) संज्ञा के ख) विशेषण के ग) क्रिया के घ) तीनों के

8. 'विशेषण' शब्द किसकी विशेषता बताते हैं?
क) संज्ञा की ख) सर्वनाम की
ग) संज्ञा और सर्वनाम की घ) अन्य की

9. 'वह खाकर सो गया।' वाक्य में 'खाकर' क्या है?
क) सामान्य क्रिया ख) संयुक्त क्रिया
ग) पूर्वकालिक क्रिया घ) मुख्य क्रिया

10. 'चिड़िया पेड़ पर बैठी है।' वाक्य में रेखांकित शब्द कौन-सा कारक है?
क) कर्म ख) संप्रदान ग) अधिकरण घ) करण

11. आप! यहाँ कैसे? के लिए क्रमशः विराम चिह्न है–
क) पूर्ण विराम, प्रश्नवाचक ख) अर्धविराम, पूर्ण विराम
ग) विस्मयादिबोधक, योजक का चिह्न घ) विस्मयादिबोधक, प्रश्नवाचक

12. 'गंगाजल' शब्द में कौन-सा समास है?
क) कर्मधारय ख) द्विगु ग) द्वंद्व घ) तत्पुरुष

13. कारक का सही क्रम है–
क) कर्म, कर्ता, करण ख) कर्ता, कर्म, करण
ग) करण, कर्म, कर्ता घ) अन्य कोई

14. 'अपवाद' शब्द में क्या उपसर्ग है?
क) अ ख) अप ग) वाद घ) आप

15. 'सवारी' शब्द में कौन-सा प्रत्यय है?
क) स ख) वारी ग) ई घ) री

16. निम्नलिखित में से कौन-सा 'संयुक्त व्यंजन' नहीं है?
क) क्ष ख) ज्ञ ग) श्र घ) झ

17. 'चाँद का टुकड़ा' मुहावरे का अर्थ है–
क) अपूर्ण होना ख) छोटा होना ग) सुंदर होना घ) तीनों

18. 'जहाँ रेलगाड़ी आकर खड़ी होती हैं' उस स्थान को क्या कहते हैं?
क) चौपाटी ख) बंदरगाह ग) प्लेटफॉर्म घ) स्टैंड

19. 'अपेक्षा' का अर्थ है-
   क) तुलना   ख) आशा   ग) दोनों   घ) कोई नहीं

20. 'कर भला सो हो भला' क्या है?
   क) मुहावरा   ख) एक लोकोक्ति   ग) एक वाक्य   घ) तीनों

निर्देश- (21-25): पंक्तियों को ध्यान से पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

योग नहीं केवल क्रिया है,
योग है जीवन का आधार।
'औषधि' इसको मानेगा ही,
आज नहीं तो कल संसार।
रोग भगाए, रोग भगाए, रोग भगाए नीम,
सब रोगों को दूर भगाए, सबसे बड़ा हकीम।

21. 'योग' क्या है?
   क) क्रिया   ख) जीवन-आधार   ग) दोनों   घ) कोई नहीं

22. उपर्युक्त पंक्तियों में 'हकीम' किसे कहा गया है?
   क) एक व्यक्ति को   ख) नीम के पेड़ को
   ग) दोनों को   घ) अन्य को

23. 'औषधि' का क्या अर्थ है?
   क) दवाई   ख) दवाई घर   ग) अमृत   घ) तीनों

24. पंक्तियों में 'कल' से आशय है-
   क) मशीन   ख) बीता हुआ दिन
   ग) आने वाला दिन   घ) पानी की आवाज़

25. 'रोग भगाने' से आशय है-
   क) बीमारी दूर करना   ख) दौड़ाना
   ग) दोनों   घ) इनमें से कोई नहीं

26. 'यदि तुम परिश्रम करोगे, तो सफलता तुम्हारे कदम चूमेगी।' अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद बताइए।
   क) संदेहवाचक   ख) विधिवाचक   ग) विधानवाचक   घ) संकेतवाचक

27. 'भारत विकास की ओर अग्रसर है।' अर्थ के आधार पर वाक्य का भेद है–
   क) विधिवाचक   ख) विधानवाचक   ग) निषेधवाचक   घ) इच्छावाचक

28. ‘पदेन’ कहाँ लगाया जाता है–

क) अक्षरों के ऊपर ख) मात्रा के रूप
ग) आधे अक्षर में नीचे घ) इनमें से कोई नहीं

29. ‘दशानन’ में कौन-सा समास है?

क) अव्ययीभाव ख) कर्मधारय ग) तत्पुरुष घ) बहुव्रीहि

30. ‘यथाशक्ति’ समस्तपद का विग्रह है–

क) शक्ति से ख) शक्ति के अनुसार ग) पूरी शक्ति घ) कम शक्ति

31. ‘पत्र’ शब्द का अर्थ है–

क) चिट्ठी ख) पत्ता ग) दोनों घ) इनमें से कोई नहीं

32. ‘जहाँ पहुँचना कठिन हो’– वाक्यांश के लिए ‘एक शब्द’ होगा–

क) दुर्गम ख) दुर्गम्य ग) अगम्य घ) गम्य

33. कनक शब्द का अर्थ है–

क) सोना ख) धतूरा ग) गेहूँ घ) तीनों

34. ‘कंजूस’ तथा ‘तलवार’ के लिए क्रमशः समान अर्थ वाले शब्द हैं–

क) कृपाण, कृपण ख) कृपा, कृपण
ग) कृपण, कृपा घ) कृपण, कृपाण

35. ‘अकर्म’ शब्द में क्या उपसर्ग है?

क) अ ख) अत्य ग) अति घ) अंत

36. ‘अ’ उपसर्ग से बना शब्द नहीं है–

क) अटल ख) अक्ल ग) अरुण घ) आकार

37. ‘अपराधिक’ शब्द में मूल शब्द है–

क) अपराध ख) अपरा ग) अधिक घ) अन्य

38. ‘शुद्ध’ शब्द है–

क) शृंगार ख) श्रृंगार ग) श्रंगर घ) इनमें से कोई नहीं

39. ‘आगत स्वर’ वाला शब्द है–

क) कॉफ़ी ख) टॉफ़ी ग) कॉपी घ) तीनों

40. नुकता वाला सही शब्द है

क) ताज़महल ख) महाराज़ ग) राज़ घ) उपर्युक्त तीनों

उत्तर-संकेत

1. घ
2. क
3. ख
4. ख
5. ग
6. घ
7. क
8. ग
9. ग
10. ग
11. घ
12. घ
13. ख
14. ख
15. ग
16. घ
17. ग
18. ग
19. क
20. ख
21. ख
22. ख
23. क
24. ग
25. क
26. घ
27. ख
28. ग
29. घ
30. ख
31. क
32. क
33. घ
34. घ
35. क
36. घ
37. क
38. क
39. घ
40. घ

ध्यान दें–इस अभ्यास-पत्रिका में किसी भी प्रकार की त्रुटि पाए जाने पर सूचित करने की कृपा करें।